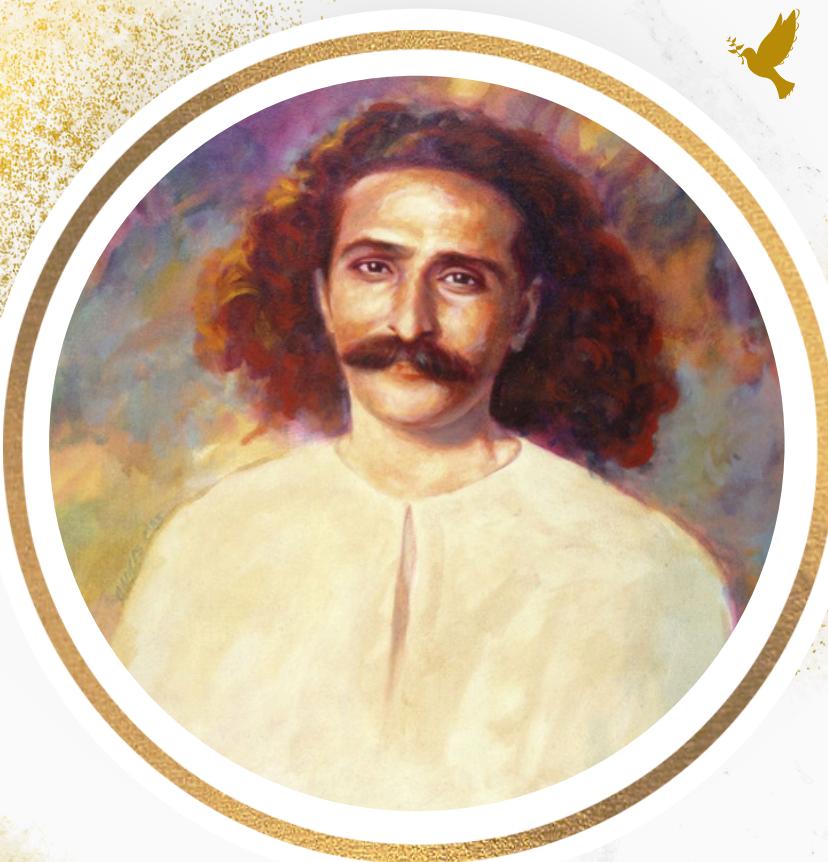


अवतार मेहेर बाबा केन्द्र लखनऊ
द्वारा आयोजित

मेहेर प्रेम सम्मेलन

22 - 23 अक्टूबर 2024



‘आध्यात्मिकता में व्यावहारिकता’

।। अवतार मेहेर बाबा की जय ।।

अवतार मेहेर बाबा के लखनऊ प्रथम आगमन का शताब्दी वर्ष

एवं

लखनऊ केंद्र का 31वां वर्षगांठ समारोह

दिनांक 22 एवं 23 अक्टूबर 2024



प्रिय मेहेर बाबा प्रेमियों,

आप सभी को सूचित करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि इस वर्ष 2024 में प्रियतम अवतार मेहेर बाबा के लखनऊ में प्रथम आगमन के 100 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं जिसके उपलक्ष्य में लखनऊ केंद्र इस वर्ष 2024 के अपने वार्षिक कार्यक्रम को शताब्दी वर्ष के रूप में मना रहा है।

यह लखनऊ नगरी का दैवीय सौभाग्य है कि प्रियतम अवतार मेहेर बाबा ने इस भूमि को एक बार नहीं अपितु सात बार अपने पावन चरणों से स्पर्श किया।

वर्ष 1924 में प्रियतम अवतार मेहेर बाबा का लखनऊ में दो बार आगमन हुआ।

प्रथम बार जब मार्च 1924 में मेहेर बाबा ट्रेन से हैदराबाद (पाकिस्तान) के रास्ते नेपाल जा रहे थे और द्वितीय बार 19 अगस्त 1924 को जब मुरादाबाद से यात्रा के दौरान मेहेर बाबा ने लखनऊ में ट्रेन बदली और भोपाल के लिए रवाना हो गए।

आप सभी प्रेमीजन इस शताब्दी वर्ष के कार्यक्रम में युगावतार मेहेर बाबा के दिव्य संदेशों को हृदयंगम करने एवं विभिन्न केंद्रों से आए मेहेर प्रेमियों के भजन, गीत, ग़ज़ल, एवं वार्ताओं का आनंद लेने के लिए सपरिवार इष्ट मित्रों सहित सादर सप्रेम आमंत्रित हैं।

कमल किशोर शर्मा

अध्यक्ष

7607001888

संजय दुबे

सचिव

9415469415

७ अवतार मेहेर बाबा लखनऊ केंद्र, 169, समर विहार कॉलोनी,
आलमबाग, लखनऊ - 226005

🌐 वेबसाइट: <https://meherlucknow.org>

✉ ईमेल: avatarmeherbabalucknowcentre@gmail.com



~कार्यक्रम विवरण~

22 अक्टूबर 2024 (मंगलवार)

प्रातः 9:00 बजे ध्वजारोहण
प्रथम सत्रः प्रातः 9:30 बजे से
अपराह्न 1:00 तक

द्वितीय सत्रः सायं 4:00 बजे से
रात्रि 8:00 बजे तक

23 अक्टूबर 2024 (बुधवार)

प्रथम सत्रः
प्रातः 9:00 बजे से अपराह्न
1:00 तक

द्वितीय सत्रः सायं 4:00 बजे से
रात्रि 8:00 बजे तक

~कार्यक्रम स्थल~

रविंद्रालय (रेलवे स्टेशन के सामने), चारबाग, लखनऊ

~आवश्यक सूचना~

- जो प्रेमी जन इस कार्यक्रम में सम्मिलित होना चाहते हैं वह अवतार मेहेर बाबा लखनऊ केंद्र की वेबसाइट <https://meherlucknow.org> पर उपलब्ध रजिस्ट्रेशन लिंक द्वारा अपना पूर्ण विवरण फार्म में भरें।
- बाहर से आने वाले प्रेमियों के लिए आवास एवं भोजन की व्यवस्था 21 अक्टूबर 2024 अपराह्न 12:00 बजे से 24 अक्टूबर 2024 प्रातः 9:00 बजे तक रहेगी। आवास की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल के नजदीक धर्मशाला में की जायेगी। इसके अतिरिक्त आवास हेतु किसी भी जानकारी के लिए निम्न व्यक्तियों से सम्पर्क करें - श्री अमित शर्मा (9794839059), डॉ नितिन दुबे (9654985984), श्री सन्तोष श्रीवास्तव (9415791903)।
- पुरुषों एवं महिलाओं की व्यवस्था अलग-अलग रहेगी अतः इसके अनुसार अपना सामान पैक करें।
- कार्यक्रम स्थल 'रविंद्रालय' चारबाग रेलवे स्टेशन के सामने स्थित है। प्रेमीजन एयरपोर्ट एवं आलमबाग बस अड्डे से मेट्रो, ऑटो रिक्षा एवं टैक्सी द्वारा कार्यक्रम स्थल तक पहुंच सकते हैं।
- अक्टूबर माह में हल्की ठंड प्रारंभ हो जाती है अतः अपने साथ हल्के गर्म कपड़े अवश्य लाएं।
- जो बाबा प्रेमी स्वयं सेवक के रूप में अपना नाम देना चाहते हैं वे निम्न व्यक्तियों से सम्पर्क करें - श्री आर० कें० निगम (9919414706), श्री अनिल देव शर्मा (8765919955)।
- कार्यक्रम से सम्बन्धित किसी भी जानकारी के लिए निम्न व्यक्तियों से सम्पर्क करें - श्री सौरभ दुबे (8588982207), श्री बालेन्द्र बाजपेयी (8175806666)।

प्रेमी को प्रियतम की इच्छा का पालन करना होता है।
मेरे प्रेमियों के लिए मेरी इच्छा निम्नलिखित है -



1. अपनी जिम्मेदारियों से भागो नहीं।
2. अपने सांसारिक कर्तव्यों को, अपने मन में यह रखते हुए कि यह सब बाबा का है, ईमानदारी से निभाओ।
3. जब तुम अपने को सुखी अनुभव करते हो तो सोचो कि बाबा मुझे सुखी रखना चाहते हैं और जब तुम अपने को दुखी अनुभव करते हो तो सोचो कि बाबा मुझे कष्ट देना चाहते हैं।
4. हर स्थिति के अधीन रहो और ईमानदारी एवं निष्कपट भाव से सोचो कि बाबा ने ही मुझे इस स्थिति में रखा है।
5. यह समझ कर कि बाबा सबमें हैं, दूसरों की सहायता एवं सेवा करने का प्रयत्न करो।
6. मैं अपने दैवी अधिकार से, सर्वजनों से कहता हूँ कि जो कोई भी अपनी अंतिम क्षासों को लेते समय मेरा नाम लेते हैं वे सब मेरे पास आ जाते हैं इसलिए अपने अंतिम क्षणों में मुझे याद रखना न भूलो। यदि तुम अभी से मुझे याद करना प्रारम्भ नहीं करते हो तो तुम्हें अपने अंतिम क्षणों में मेरी याद करना कठिन होगा। तुम्हें अभी से इसकी आदत डालनी होगी। यदि तुम प्रतिदिन केवल एक बार भी मेरा नाम लेते हो, तो तुम अपने अंतिम क्षणों में मुझे याद करना नहीं भूलोगे।

- अवतार मेहर बाबा



मेहर बाबा ने वर्ष 1924 में चारबाग रेलवे स्टेशन को अपने चरणों से पवित्र किया।